मंथन

एनआइओएस के पूर्व अध्यक्ष सीवी शर्मा का कहना है कि आन डिमांड परीक्षाएं बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती हैं

बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र के प्रारूप से न हो समझौता

प्रियंका दुबे मेहता • गुरुग्राम

बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर मंथन चल रहा है। विद्यार्थी, अभिभावक, स्कूल प्राचार्यों से लेकर अधिकारी व मंत्री सब दुविधा में हैं कि आखिर परीक्षा हो कैसे। परीक्षा का प्रारूप क्या हो व प्रश्नपत्रों का प्रकार कैसा हो। कोई बहुविकल्पीय प्रश्नों से परीक्षा का सुझाव दे रहा है तो कोई पाठ्यक्रम कम करने। एक वर्ग ऐसा भी है जोकि परीक्षाएं नहीं करवाना चाहता। विशेषज्ञों के मानें तो अगर परीक्षाओं के प्रारूप के साथ किसी भी तरह का समझौता करते हैं तो देश की इस भावी पीढ़ी को पंगु कर देंगे। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के पूर्व अध्यक्ष सीवी शर्मा का कहना है कि आन डिमांड परीक्षाएं बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती हैं।

ऐसा हो परीक्षा का प्रारूप-

- प्रश्नपत्रों को लचीला कतई न करें और न ही परीक्षा की अवधि के साथ समझौता करें
- परीक्षा वैसी ही हो जैसी पहले होती रही है, प्रश्नपत्र पहले से तय प्रारूप के अनुसार ही बनवाए जाएं
- बहुविकल्पीय या कम अवधि की परीक्षा में विद्यार्थी की प्रतिभा का सही आकलन नहीं हो सकेगा
- परीक्षा को आन डिमांड करवाएं, विद्यार्थी नवंबर तक, जिस भी विषय की परीक्षा देना चाहे, उसे देने दें
- किसी को प्रतियोगी परीक्षाएं देनी हैं, विदेश जाना है, शोध के क्षेत्र में जाना है, तो ऐसे विद्यार्थी जल्दी परीक्षा दे दें, जो विद्यार्थी स्थानीय कालेजों में पढ़ना चाहते हैं, कला या वाणिज्य संकाय से स्नातक करना चाहते हैं, वे थोड़ा रुक कर नवंबर तक परीक्षा दे सकते हैं
- ऐसा करना, नया प्रयोग नहीं होगा, मुक्त विवि में यह प्रारूप अपनाया जाता है, ऐसा करने से गुणवत्ता के साथ समझौता नहीं होगा
- स्कूल प्राचार्यों से राय लें, उन्हें जिम्मेदारी दें कि वे परीक्षा करवाएं, जो स्कूल बारहवीं कक्षा तक का है, उसमें निश्चित रूप से 48 से अधिक कमरे होंगे, शारीरिक दूरी का ध्यान रख दूरी से नियमों को सुनिश्चित करते हुए परीक्षाएं ली जा सकती हैं।

अभिभावकों और विशेषज्ञों के तरफ से बहुत से विकल्प आ रहे हैं। स्कूल प्राचार्यों को जिम्मेदारी दी जाए कि वे अपने स्कूल में कोरोना प्रोटोकाल के तहत तैयार करके परीक्षाएं करवाएं। – **डा. प्रियदर्शी नायक**, दून स्कूल, हाथरस

स्कूलों को परीक्षाओं को जिम्मा दे दिया जाए तो पिछली बार की तरह इस बार भी स्कूल अच्छी तरह से अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। आनलाइन परीक्षा भी एक विकल्प है। – **विजयलक्ष्मी मानेकर**, प्राचार्य ग्लोबल विजन इंग्लिश स्कूल, नासिक

परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आनलाइन माध्यम से परीक्षा के विकल्प पर विचार किया जाना चाहिए। इससे सुरक्षा भी हो सकेगी व परीक्षा भी बेहतर तरीके हो सकेगी। **अदिति मिश्रा**, निदेशक प्राचार्य, डीपीएस गुरुग्राम (सीवीएसई की नोडल अधिकारी)

परीक्षाओं को आन डिमांड लिया जाए। विद्यार्थी जिस भी विषय की परीक्षा जब देना चाहते हैं, दे सकते हैं। शारीरिक दूरी का ध्यान रखते हुए परीक्षा ली जा सकती है। **सीवी शर्मा**, (एनआइओएस) के पूर्व अध्यक्ष